



नवरात्रि पूजा — Navratri Pooja

सम्पूर्ण विधि एवं मंत्र — सभी नौ दिन

Complete Vidhi & Mantras — All Nine Days

1. Day 1 — शैलपुत्री (Shailputri)
2. Day 2 — ब्रह्मचारिणी (Brahmcharini)
3. Day 3 — चन्द्रघण्टा (Chandraghanta)
4. Day 4 — कूष्माण्डा (Kushmanda)
5. Day 5 — स्कन्दमाता (Skandamata)
6. Day 6 — कात्यायनी (Katyayani)
7. Day 7 — कालरात्रि (Kaalratri)
8. Day 8 — महागौरी (Mahagauri)
9. Day 9 — सिद्धिदात्री (Siddhidatri)

astrojyotisha.com/pooja-guidance/navratri



Navratri — Nau Durga, Nau Raatein

नवरात्रि ("नौ रातें") देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों — नवदुर्गा — को समर्पित है, जिनकी प्रतिपदा से नवमी तक प्रतिदिन एक अलग रूप में आराधना की जाती है। पहले दिन कलश स्थापना से पर्व आरंभ होता है और अष्टमी-नवमी के आसपास हवन, कन्या पूजन व कलश विसर्जन से इसका समापन होता है। आगे प्रत्येक दिन का पूर्ण पूजा विधि दिया गया है — देवी का स्वरूप व महत्त्व, ध्यान मंत्र, षोडशोपचार पूजा-क्रम और उस दिन का विशेष भोग — जिससे आप अपने परिवार सहित प्रतिदिन क्रमशः पूजा कर सकें।

Navratri ("nine nights") is dedicated to the nine forms of Devi Durga — the Navadurga — each worshipped on her own day, from Pratipada through Navami. The festival opens with Ghatasthapana (kalash installation) on Day 1 and closes with havan, Kanya Puja and kalash visarjan around Ashtami and Navami. Each day below has its own full pooja vidhi — the Devi's form and significance, her dhyana mantra, the shodashopachar offering sequence and that day's specific bhog — so you can follow along day by day with your family.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र, लाल वस्त्र से सजी चौकी — Durga/Devi image or murti, decorated chowki with red cloth
- कलश स्थापना हेतु मिट्टी का कलश (पूर्ण सूची प्रथम दिन देखें) — Mitti ka kalash for Ghatasthapana (see Day 1 for the full list)
- अखण्ड ज्योति (दीपक), घी या तिल का तेल, रुई की बत्ती — यदि नौ रात्रि रखनी हो — Akhand jyot (diya), ghee or til oil, cotton wicks, if observing all nine nights
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला, बिल्व/अशोक पत्ते — Fresh flowers (preferably red), mala, bilva/ashok leaves
- धूप, अगरबत्ती और कपूर — Dhoop, agarbatti and camphor
- दुर्गा सप्तशती / देवी माहात्म्य, यदि पाठ करना हो — Durga Saptashati / Devi Mahatmyam, for those doing the path
- फल, मिश्री और प्रत्येक दिन का विशेष भोग (संबंधित दिन का पृष्ठ देखें) — Fruits, mishri and each day's specific bhog item (see individual day pages)
- आरती थाली, घंटी और शंख — Aarti thali, ghanti (bell) and shankh
- अष्टमी/नवमी हेतु कन्या पूजन सामग्री (आठवां/नौवां दिन देखें) — Kanya Puja items for Ashtami/Navami (see Day 8/9)

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 3 • STEP 1 OF 3

नौ दिन, नौ रूप — Nine Days, Nine Forms

नौ रातों में से प्रत्येक एक देवी-स्वरूप को समर्पित है: शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघण्टा, कूष्माण्डा, स्कन्दमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री — इसी क्रम में। प्रतिदिन की मूल विधि लगभग समान रहती है — केवल देवी का स्वरूप, मंत्र और भोग बदलता है — जिस दिन आए, उस दिन का पृष्ठ खोलें।

Each of the nine nights is dedicated to one form of Devi: Shailputri, Brahmacharini, Chandraghanta, Kushmanda, Skandamata, Katyayani, Kalratri, Mahagauri and Siddhidatri, in that order. The basic daily rhythm stays the same each day — only the Devi's form, her mantra and her bhog change — open the day's own page below when that day arrives.

चरण 2 / 3 • STEP 2 OF 3

दैनिक पूजा — The Daily Routine

प्रतिदिन प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें, दीपक जलाएं (और यदि अखण्ड ज्योति रखी है तो उसका ध्यान रखें), कलश/देवी प्रतिमा को ताजे पुष्पों से सजाएं, रोली-अक्षत-चन्दन अर्पित करें, और उस दिन के पृष्ठ से विधि व मंत्र का पालन करें। सायंकाल उस दिन का भोग अर्पित कर परिवार सहित आरती करें।

Each morning: bathe and wear clean clothes, light the diya (and tend the akhand jyot if you are keeping one), decorate the kalash/Devi image with fresh flowers, offer roli-akshat-chandan, and follow that day's pooja vidhi and mantra from its own page. In the evening, offer that day's bhog and perform the aarti together as a family.

चरण 3 / 3 • STEP 3 OF 3

आरंभ व समापन — Beginning & Closing

प्रतिपदा (प्रथम दिन) कलश स्थापना से आरंभ होती है। अष्टमी (आठवां दिन) और नवमी (नौवां दिन) कन्या पूजन के साथ नौ रातों का समापन करती हैं, और कई परिवार नवमी को हवन भी करते हैं, इसके पश्चात कलश का धन्यवाद कर उसका जल घर में छिड़का जाता है — पूर्ण विधि हेतु प्रथम, आठवें और नौवें दिन के पृष्ठ देखें।

Day 1 (Pratipada) opens with Ghatasthapana. Day 8 (Ashtami) and Day 9 (Navami) close the nine nights with Kanya Puja, and many families also perform a havan on Navami before the kalash is thanked and its water sprinkled through the home — see the Day 1, 8 and 9 pages for the full vidhi of each.

Day 1 — शैलपुत्री (Shailputri)

पर्वतराज हिमालय की पुत्री — नन्दी बैल पर सवार, एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल धारण किए। नवरात्रि का प्रथम स्वरूप, जिनकी आराधना कलश स्थापना के साथ की जाती है।

The daughter of Himavan, king of the mountains — riding the bull Nandi, holding a trishul in one hand and a lotus in the other. She is the first form Navratri opens with, and the form worshipped while the kalash itself is installed on this day.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पत्ते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: शुद्ध देशी घी — *Today's bhog: pure desi ghee*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*
- जौ बोने हेतु मिट्टी की ट्रे सहित मिट्टी का कलश (घट) — *Mitti ka kalash (earthen pot) with a small tray of clean soil for jau (barley) sowing*
- सप्तधान्य या जौ के बीज — *Saptadhanya or jau (barley) seeds*
- गंगाजल (या स्वच्छ जल), आम/अशोक के पत्ते, साबुत नारियल, मौली/कलावा, सुपारी, एक सिक्का — *Ganga jal (or clean water), aam/ashok leaves, whole coconut, moli/kalava, supari, a coin*
- अखण्ड ज्योति (दीपक) घी या तिल तेल सहित, यदि नौ रातें रखनी हों — *Akhand jyot (diya) with ghee or til oil, if you are keeping one for all nine nights*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 6 • STEP 1 OF 6

कलश स्थापना — Ghatasthapana

माँ शैलपुत्री की पूजा आरंभ करने से पूर्व कलश स्थापना करें: मिट्टी की ट्रे में जौ/सप्तधान्य के बीज बोएं, जल से भरा कलश उसके समीप या ऊपर रखें, कलश के मुख पर आम के पत्ते सजाएं और ऊपर साबुत नारियल (लाल वस्त्र में लिपटा) रखें, कलश के गले में मौली बांधें, तथा गंगा व समस्त पवित्र जल का आवाहन करें। यदि नौ रातों हेतु अखण्ड ज्योति रखनी हो तो अब प्रज्वलित करें और नवमी तक अखण्ड रखें।

Before Maa Shailputri's pooja begins, install the kalash: sow the jau/saptadhanya seeds in the tray of soil, place the water-filled kalash beside or over it with mango leaves arranged at the rim and a whole coconut (wrapped in a red cloth) set on top, tie moli around the neck of the kalash, and invoke Ganga and all sacred waters into it. If you are keeping an akhand jyot for the nine nights, light it now and keep it burning without interruption through Navami.

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्॥

चरण 2 / 6 • STEP 2 OF 6

Day 1 — Maa Shailputri

पर्वतराज हिमालय की पुत्री — नन्दी बैल पर सवार, एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल धारण किए। नवरात्रि का प्रथम स्वरूप, जिनकी आराधना कलश स्थापना के साथ की जाती है।

The daughter of Himavan, king of the mountains — riding the bull Nandi, holding a trishul in one hand and a lotus in the other. She is the first form Navratri opens with, and the form worshipped while the kalash itself is installed on this day.

चरण 3 / 6 • STEP 3 OF 6

ध्यान मंत्र — Dhyana Mantra

देवी महात्म्य से माँ शैलपुत्री का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Shailputri with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु शैलपुत्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ शैलपुत्र्यै नमः।

चरण 4 / 6 • STEP 4 OF 6

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 5 / 6 • STEP 5 OF 6

भोग — Pure desi ghee

आज माँ शैलपुत्री को शुद्ध देशी घी अर्पित किया जाता है — सादा या प्रसाद में मिलाकर अर्पित करें — परिवार के स्वास्थ्य हेतु शुभा।

Pure desi ghee is offered to Maa Shailputri today, offered plain or mixed into the day's prasad — associated with good health for the family.

चरण 6 / 6 • STEP 6 OF 6

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशदिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना, चंद्रवदन नीको॥

Day 2 — ब्रह्मचारिणी (Brahmacharini)

तपस्विनी स्वरूप — एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमण्डल लिए नंगे पांव चलती हुई। यह स्वरूप तपस्या, संयम और संकल्प की दृढ़ता का प्रतीक है।

The ascetic form, walking barefoot with a japa mala in one hand and a kamandal in the other — she embodies tapasya, restraint and unwavering resolve, the discipline that carries a sankalp through to completion.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पत्ते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: शक्कर या मिश्री — *Today's bhog: sugar or mishri*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 5 • STEP 1 OF 5

Day 2 — Maa Brahmacharini

तपस्विनी स्वरूप — एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमण्डल लिए नंगे पांव चलती हुई। यह स्वरूप तपस्या, संयम और संकल्प की दृढ़ता का प्रतीक है।

The ascetic form, walking barefoot with a japa mala in one hand and a kamandal in the other — she embodies tapasya, restraint and unwavering resolve, the discipline that carries a sankalp through to completion.

चरण 2 / 5 • STEP 2 OF 5

ध्यान मंत्र — Dhyana Mantra

देवी महात्म्य से माँ ब्रह्मचारिणी का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Brahmacharini with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ ब्रह्मचारिण्यै नमः।

चरण 3 / 5 • STEP 3 OF 5

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 4 / 5 • STEP 4 OF 5

भोग — Sugar or mishri

आज माँ ब्रह्मचारिणी को शक्कर या मिश्री अर्पित किया जाता है — परिवार के स्वास्थ्य व दीर्घायु हेतु अर्पित करें।

Sugar or mishri is offered to Maa Brahmacharini today, offered for the health and long life of the family.

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशदिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना,
चंद्रवदन नीको॥



Day 3 — चन्द्रघण्टा (Chandraghanta)

स्वर्ण-वर्णा, दस भुजाओं वाली, बाघ पर सवार — माथे पर घण्टी के समान अर्धचन्द्र धारण करती हैं। शत्रु के प्रति उग्र, भक्तों के प्रति सौम्य।

Golden-complexioned and ten-armed, riding a tiger, with a crescent moon shaped like a bell (ghanta) on her forehead — fierce toward danger, gentle toward her devotees.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पत्ते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: खीर — *Today's bhog: kheer*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 5 • STEP 1 OF 5

Day 3 — Maa Chandraghanta

स्वर्ण-वर्णा, दस भुजाओं वाली, बाघ पर सवार — माथे पर घण्टी के समान अर्धचन्द्र धारण करती हैं। शत्रु के प्रति उग्र, भक्तों के प्रति सौम्य।

Golden-complexioned and ten-armed, riding a tiger, with a crescent moon shaped like a bell (ghanta) on her forehead — fierce toward danger, gentle toward her devotees.

चरण 2 / 5 • STEP 2 OF 5

ध्यान मंत्र — Dhyana Mantra

देवी महात्म्य से माँ चन्द्रघण्टा का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Chandraghanta with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु चन्द्रघण्टा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ चन्द्रघण्टायै नमः।

चरण 3 / 5 • STEP 3 OF 5

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 4 / 5 • STEP 4 OF 5

भोग — Kheer

आज माँ चन्द्रघण्टा को खीर अर्पित किया जाता है — दूध-चावल से बनी यह मिठाई अर्पित कर प्रसाद रूप में बांटी जाती है।

Kheer is offered to Maa Chandraghanta today, the milk-and-rice sweet is offered and shared as prasad.

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशदिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना,
चंद्रवदन नीको॥

Day 4 — कूष्माण्डा (Kushmanda)

माना जाता है कि इन्होंने अपनी मंद मुस्कान से सृष्टि की रचना की, सूर्य के गर्भ में निवास करती हैं — आठ भुजाओं वाली, सिंह पर सवार, ब्रह्माण्ड की ऊर्जा की स्रोत।

Believed to have created the universe with a gentle smile, radiating from the core of the sun itself — eight-armed, seated on a lion, the source of cosmic energy.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- आज का भोग: मालपुआ — *Today's bhog: malpua*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 5 • STEP 1 OF 5

Day 4 — Maa Kushmanda

माना जाता है कि इन्होंने अपनी मंद मुस्कान से सृष्टि की रचना की, सूर्य के गर्भ में निवास करती हैं — आठ भुजाओं वाली, सिंह पर सवार, ब्रह्माण्ड की ऊर्जा की स्रोत।

Believed to have created the universe with a gentle smile, radiating from the core of the sun itself — eight-armed, seated on a lion, the source of cosmic energy.

चरण 2 / 5 • STEP 2 OF 5

ध्यान मंत्र — Dhyan Mantra

देवी महात्म्य से माँ कूष्माण्डा का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Kushmanda with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु कूष्माण्डा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ कूष्माण्डायै नमः।

चरण 3 / 5 • STEP 3 OF 5

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 4 / 5 • STEP 4 OF 5

भोग — Malpua

आज माँ कूष्माण्डा को मालपुआ अर्पित किया जाता है — यह मीठा पुआ इस दिन का पारम्परिक भोग है।

Malpua is offered to Maa Kushmanda today, the sweet pancake is a traditional offering on this day.

चरण 5 / 5 • STEP 5 OF 5

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशादिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना,
चंद्रवदन नीको॥

Day 5 — स्कन्दमाता (Skandamata)

भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता, कमल पर विराजमान, गोद में शिशु सहित — इनकी भक्ति मातृत्व की ही भक्ति है, वह शक्ति जो पालन-पोषण और रक्षा करती है।

Mother of Skanda (Kartikeya), seated on a lotus with the child on her lap — devotion to her is devotion to motherhood itself, the strength that nurtures and protects.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: केला — *Today's bhog: banana*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 5 • STEP 1 OF 5

Day 5 — Maa Skandamata

भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता, कमल पर विराजमान, गोद में शिशु सहित — इनकी भक्ति मातृत्व की ही भक्ति है, वह शक्ति जो पालन-पोषण और रक्षा करती है।

Mother of Skanda (Kartikeya), seated on a lotus with the child on her lap — devotion to her is devotion to motherhood itself, the strength that nurtures and protects.

चरण 2 / 5 • STEP 2 OF 5

ध्यान मंत्र — Dhyan Mantra

देवी महात्म्य से माँ स्कन्दमाता का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Skandamata with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ स्कन्दमातायै नमः।

चरण 3 / 5 • STEP 3 OF 5

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 4 / 5 • STEP 4 OF 5

भोग — Banana

आज माँ स्कन्दमाता को केला अर्पित किया जाता है — सादा या केले से बनी मिठाई में — स्वास्थ्य हेतु शुभ माना जाता है।

Banana is offered to Maa Skandamata today, offered plain or in a banana-based sweet, and associated with good health.

चरण 5 / 5 • STEP 5 OF 5

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशादिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना,
चंद्रवदन नीको॥



Day 6 — कात्यायनी (Katyayani)

महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रकट, सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली योद्धा स्वरूप — साहस हेतु विशेष रूप से पूजित, विवाह हेतु आशीर्वाद के लिए भी।

Born of the tapasya of sage Katyayana, riding a lion, four-armed and warrior-like — worshipped especially for courage, and traditionally invoked by those seeking blessings for marriage.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पत्ते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: शहद — *Today's bhog: honey*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 5 • STEP 1 OF 5

Day 6 — Maa Katyayani

महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रकट, सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली योद्धा स्वरूप — साहस हेतु विशेष रूप से पूजित, विवाह हेतु आशीर्वाद के लिए भी।

Born of the tapasya of sage Katyayana, riding a lion, four-armed and warrior-like — worshipped especially for courage, and traditionally invoked by those seeking blessings for marriage.

चरण 2 / 5 • STEP 2 OF 5

ध्यान मंत्र — Dhyana Mantra

देवी महात्म्य से माँ कात्यायनी का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Katyayani with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु कात्यायनी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ कात्यायन्यै नमः।

चरण 3 / 5 • STEP 3 OF 5

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 4 / 5 • STEP 4 OF 5

भोग — Honey

आज माँ कात्यायनी को शहद अर्पित किया जाता है — आज शहद तथा शहद से बनी मिठाइयाँ अर्पित की जाती हैं।

Honey is offered to Maa Katyayani today, offered on this day, along with sweets made with honey.

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशदिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना,
चंद्रवदन नीको॥

Day 7 — कालरात्रि (Kaalratri)

श्याम वर्णा, बिखरे केश, तीन नेत्र बिजली से चमकते — इनका उग्र स्वरूप अज्ञान और नकारात्मकता के नाश हेतु है, इसीलिए इन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है।

Dark-complexioned, dishevelled hair, three eyes blazing like lightning — her fearsome form exists to destroy ignorance and negativity, which is why she is also called Shubhankari, the auspicious one, despite her appearance.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: गुड़ — *Today's bhog: jaggery (gud)*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 5 • STEP 1 OF 5

Day 7 — Maa Kaalratri

श्याम वर्णा, बिखरे केश, तीन नेत्र बिजली से चमकते — इनका उग्र स्वरूप अज्ञान और नकारात्मकता के नाश हेतु है, इसीलिए इन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है।

Dark-complexioned, dishevelled hair, three eyes blazing like lightning — her fearsome form exists to destroy ignorance and negativity, which is why she is also called Shubhankari, the auspicious one, despite her appearance.

चरण 2 / 5 • STEP 2 OF 5

ध्यान मंत्र — Dhyana Mantra

देवी महात्म्य से माँ कालरात्रि का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Kaalratri with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु कालरात्रि रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ कालरात्र्यै नमः।

चरण 3 / 5 • STEP 3 OF 5

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 4 / 5 • STEP 4 OF 5

भोग — Jaggery (gud)

आज माँ कालरात्रि को गुड़ अर्पित किया जाता है — सादा या गुड़ से बनी मिठाई में अर्पित करें।

Jaggery (gud) is offered to Maa Kaalratri today, offered plain or in gud-based sweets.

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशदिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना,
चंद्रवदन नीको॥

Day 8 — महागौरी (Mahagauri)

गौर वर्णा, शांत, बैल पर सवार, श्वेत वस्त्रधारी — कालरात्रि की उग्रता के पश्चात पवित्रता और शांति की प्रतीक। अष्टमी को प्रायः कन्या पूजन किया जाता है।

Fair and serene, riding a bull, dressed in white — she represents purity and calm after Kaalratri's fierce intensity. Ashtami is widely observed with Kanya Puja.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पत्ते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: नारियल — *Today's bhog: coconut*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*
- नौ कन्याओं हेतु छोटे आसन/थाली, यदि कन्या पूजन करना हो — *Small aasans/plates for nine young girls (kanyas), if performing Kanya Puja*
- कन्या भोज हेतु हलवा, पूरी और काले चने — *Halwa, puri and kale chane (black chickpeas) for the kanya bhoj*
- प्रत्येक कन्या हेतु लाल चुनरी, चूड़ियाँ और दक्षिणा — *Red chunri, bangles and coins/dakshina for each kanya*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 6 • STEP 1 OF 6

कन्या पूजन — Kanya Puja

अनेक परिवार अष्टमी को कन्या पूजन करते हैं (कुछ नवमी को करना पसंद करते हैं — दोनों मान्य हैं)। देवी के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ बालिकाओं को आमंत्रित करें, उनके पैर धोएं, तिलक लगाएं, हलवा-पूरी-चना का भोजन कराएं, तथा जाने से पूर्व प्रत्येक को श्रद्धापूर्वक चुनरी, चूड़ियाँ और दक्षिणा भेंट करें।

Many families perform Kanya Puja on Ashtami (some prefer Navami instead — either is accepted). Invite nine young girls, representing the nine forms of Devi, wash their feet, apply tilak, offer them a meal of halwa-puri-chana, and gift each a chunri, bangles and dakshina with respect and gratitude before they leave.

चरण 2 / 6 • STEP 2 OF 6

Day 8 — Maa Mahagauri

गौर वर्णा, शांत, बैल पर सवार, श्वेत वस्त्रधारी — कालरात्रि की उग्रता के पश्चात पवित्रता और शांति की प्रतीक। अष्टमी को प्रायः कन्या पूजन किया जाता है।

Fair and serene, riding a bull, dressed in white — she represents purity and calm after Kaalratri's fierce intensity. Ashtami is widely observed with Kanya Puja.

चरण 3 / 6 • STEP 3 OF 6

ध्यान मंत्र — Dhyana Mantra

देवी महात्म्य से माँ महागौरी का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Mahagauri with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु महागौरी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ • ॐ महागौर्यै नमः।

चरण 4 / 6 • STEP 4 OF 6

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 5 / 6 • STEP 5 OF 6

भोग — Coconut

आज माँ महागौरी को नारियल अर्पित किया जाता है — साबुत नारियल अर्पित करें, तथा कन्या पूजन के भोजन में भी सम्मिलित करें।

Coconut is offered to Maa Mahagauri today, offered whole, and also distributed as part of the Kanya Puja meal.

चरण 6 / 6 • STEP 6 OF 6

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशादिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना, चंद्रवदन नीको॥

Day 9 — सिद्धिदात्री (Siddhidatri)

कमल पर विराजमान, चतुर्भुजी, सिद्धियों की दात्री — नौ रातों की साधना की पूर्णता का प्रतीक, नवमी को पूजित अंतिम स्वरूप।

Seated on a lotus, four-armed, the bestower of siddhis (spiritual accomplishments/perfections) — the final form, marking the completion of the nine-night sadhana on Navami.

सामग्री (आवश्यक वस्तुएं) • Samagri

- सजी चौकी पर लाल वस्त्र सहित दुर्गा/देवी की प्रतिमा या चित्र — *Durga/Devi image or murti on a decorated chowki with red cloth*
- दीपक (घी या तिल तेल), रुई की बत्ती, धूप और कपूर — *Diya (ghee or til oil), cotton wicks, dhoop and camphor*
- रोली, कुमकुम, हल्दी, चन्दन और अक्षत (चावल) — *Roli, kumkum, haldi, chandan and akshat (rice)*
- ताजे पुष्प (विशेषतः लाल), माला और बिल्व/अशोक पत्ते — *Fresh flowers (preferably red), mala and bilva/ashok leaves*
- आज का भोग: तिल — *Today's bhog: til (sesame seeds)*
- फल और मिश्री प्रसाद — *Fruits and mishri prasad*
- आरती थाली, घंटी और शंख — *Aarti thali, ghanti (bell) and shankh*
- देवी हेतु लाल चुनरी — *Red chunri for the Devi*
- हवन सामग्री (हवन कुण्ड, समिधा/लकड़ी, घी, हवन मिश्रण), यदि समापन हवन करना हो — *Havan samagri (havan kund, samidha/wood, ghee, havan mishran) if performing a closing havan*
- कन्या पूजन सामग्री (देखें आठवां दिन), यदि नवमी को करना हो — *Kanya puja items (see Day 8) if Kanya Puja is being performed on Navami instead*

चरण-दर-चरण विधि • Step-by-Step Vidhi

चरण 1 / 6 • STEP 1 OF 6

हवन व कलश विसर्जन — Havan & Kalash Visarjan

नवमी को अनेक परिवार समापन हवन करते हैं, नौ दिनों के देवी-मंत्र (या नवार्ण मंत्र) का जाप करते हुए आहुति अर्पित करते हैं, तत्पश्चात यदि अष्टमी को न किया हो तो कन्या पूजन करते हैं। इसके बाद प्रथम दिन स्थापित कलश का धन्यवाद कर उसका जल आशीर्वाद स्वरूप घर में छिड़कें — बोए गए जौ/सप्तधान्य के अंकुर व्रत की पूर्णता के प्रतीक हैं — इसके पश्चात नवरात्रि पारण किया जाता है।

Navami is when many families perform a closing havan, offering ahuti while chanting the Devi mantras of all nine days (or the Navarna mantra), followed by Kanya Puja if it was not done on Ashtami. Afterwards, thank the kalash installed on Day 1, sprinkle its water around the home as a blessing, and let the sown jau/saptadhanya seedlings mark the completion of the vrat — Navratri Parana (breaking the fast) follows.

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे॥ (नवार्ण मंत्र)

चरण 2 / 6 • STEP 2 OF 6

Day 9 — Maa Siddhidatri

कमल पर विराजमान, चतुर्भुजी, सिद्धियों की दात्री — नौ रातों की साधना की पूर्णता का प्रतीक, नवमी को पूजित अंतिम स्वरूप।

Seated on a lotus, four-armed, the bestower of siddhis (spiritual accomplishments/perfections) — the final form, marking the completion of the nine-night sadhana on Navami.

चरण 3 / 6 • STEP 3 OF 6

ध्यान मंत्र — Dhyana Mantra

देवी महात्म्य से माँ सिद्धिदात्री का ध्यान श्लोक, फिर सरल नमन मंत्र बोलें।

Invoke Maa Siddhidatri with her dhyana shloka from the Devi Mahatmyam, then her simple naman mantra.

या देवी सर्वभूतेषु सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥ ॐ सिद्धिदात्र्यै नमः।

चरण 4 / 6 • STEP 4 OF 6

पूजा विधि — Shodashopachar

विधिपूर्वक सोलह उपचार क्रम से अर्पित करें — आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्र, गन्ध (चन्दन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, दक्षिणा, प्रदक्षिणा और पुष्पांजलि — पूर्ण श्रद्धा के साथ, परिवार सहित बैठकर पूजा करें।

Offer the standard sixteen upachar in sequence — aasan, paadya, arghya, snan, vastra, gandh (chandan), pushp, dhoop, deep, naivedya, aachman, tambul, dakshina, pradakshina and pushpanjali — with full shraddha, keeping the family seated together for the pooja.

चरण 5 / 6 • STEP 5 OF 6

भोग — Til (sesame seeds)

आज माँ सिद्धिदात्री को तिल अर्पित किया जाता है — इस समापन दिवस पर अर्पित करें, कभी-कभी अंतिम हलवा-पूरी-चना भोजन के साथ भी।

Til (sesame seeds) is offered to Maa Siddhidatri today, offered on this concluding day, sometimes alongside a final halwa-puri-chana meal.

चरण 6 / 6 • STEP 6 OF 6

आरती — Jai Ambe Gauri

दुर्गा आरती के साथ पूजा का समापन करें — आरती थाली परिवार में घुमाएं और घंटी बजाएं।

Conclude with the Durga aarti, passing the aarti thali through the family and ringing the bell.

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी। तुमको निशादिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिवरी॥ • मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को। उज्ज्वल से दोउ नैना, चंद्रवदन नीको॥